नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आवारा कुत्तों का आतंक

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों और रेबीज के खतरे को लेकर जो टिप्पणी की है, वह केवल एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि रा'यों की प्रशासनिक विफलता पर कठोर टिप्पणी भी है. अदालत ने साफ कहा है कि संविधान के अनु'छेद 21 के तहत नागरिकों को भयमुक्त और सम्मानजनक जीवन का अधिकार है. यदि कोई बच्चा, बुजुर्ग या आम नागरिक सड़क पर निकलते समय कुत्तों के हमले के डर में जीने को मजबूर हो, तो यह राज्य व्यवस्था की असफलता मानी जाएगी.

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक शहरों और कस्बों में आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. कई रा'यों में छोटे ब'चों की मौत तक हो चुकी है. स्कूल जाते बच्चों, मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्गों और सड़क पर काम करने वाले लोगों के लिए सार्वजनिक स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं. इसके बावजूद प्रशासन और स्थानीय निकाय अक्सर केवल कागजी योजनाओं तक सीमित दिखाई देते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने इसी लापरवाही पर गंभीर चिंता जताई है.

अदालत का यह कहना महत्वपूर्ण है कि रेबीजग्रस्त, हिंसक और खतरनाक आवारा कुत्तों को वैधानिक प्रक्रिया के तहत यूथनेसिया यानी इ'छामृत्यु दी जा सकती है. यह फैसला पशु क्रूरता को बढ़ावा देने वाला नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा को प्राथमिकता देने वाला है. अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने, रेबीज रोधी टीकों और इम्युनोग्लोबुलिन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, तथा भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को लागू करने के निर्देश भी दिए हैं.

वास्तविक समस्या यह है कि देश के अधिकांश नगर निगम और पंचायतें पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को गंभीरता से लागू ही नहीं कर पाईं. नसबंदी अभियान सीमित हैं, रेबीज टीकाकरण अधूरा है और कचरा प्रबंधन की खराब व्यवस्था आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रही है. शहरों में खुले कचरे के ढेर कुत्तों के लिए भोजन का स्थायी स्रोत बन गए हैं. ऐसे में केवल भावनात्मक बहस या सोशल मीडिया अभियान समस्या का समाधान नहीं कर सकते.

सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स और एनजीओ की उन याचिकाओं को भी खारिज किया है जिनमें नवंबर 2025 के निर्देशों को वापस लेने की मांग की गई थी. अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि पशु अधिकारों की रक्षा जरूरी है, लेकिन मानव जीवन और सार्वजनिक सुरक्षा उससे ऊपर है. यह दृष्टिकोण व्यावहारिक और संवैधानिक दोनों है. अब सबसे बड़ी जिम्मेदारी राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों की है. यदि अदालत के निर्देश भी जमीन पर नहीं उतरते, तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है. हर जिले में एबीसी केंद्र, पर्याप्त टीकाकरण, खतरनाक कुत्तों की पहचान और त्वरित कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं तत्काल लागू करनी होंगी.

आखिरकार, सभ्य समाज की पहचान केवल पशुओं के प्रति संवेदनशीलता से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वहां बच्चे और बुजुर्ग बिना भय के सड़क पर चल सकें. सुप्रीम कोर्ट ने इसी मूल प्रश्न को केंद्र में रखा है.

भारत नीदरलैंड संबंध

बदलते परिदृश्य में उभरती रणनीतिक साझेदारी

डॉ. सुदीप शुक्ल

> प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा को केवल एक द्विपक्षीय यात्रा के रूप में नहीं देखा जा सकता. यह यात्रा उस व्यापक वैश्विक विश्व में हो रहे परिवर्तन का हिस्सा है जिसमें भारत स्वयं को विश्व अर्थव्यवस्था, तकनीकी सप्लाई चेन और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है. नीदरलैंड जैसे तकनीकी, आर्थिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण देश के साथ गहरी होती साझेदारी भारत की दीर्घकालिक विदेश नीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है. आने वाले वर्षों में भारत-नीदरलैंड संबंध केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे तकनीकी साझेदारी, रणनीतिक समन्वय और वैश्विक शासन व्यवस्था में साझा भूमिका की दिशा में और अधिक विकसित होंगे. यही इस यात्रा का वास्तविक महत्व है.

भारत में हम से ज्यादातर लोग नीदरलैंड्स को फुटबॉल और ओलपिंक खेलों की पदक तालिका में मजबूत स्थिति वाले देश के रूप में जानते रहे हैं. पिछले कुछ सालों से वहां के क्रिकेट खिलाड़ी भी ध्यान खींचते रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पछिले सप्ताह नीदरलैंड यात्रा के दौरान अपने भाषण में भी क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और ओलंपिक खेलों में दोनों देशों की साझेदारी को विशेष रूप से रेखांकित किया. बात केवल खेलों या औपचारिक कूटनीतिक संबंधों तक ही सीमित नहीं हैं. दोनों देशों के बीच मजबूत व्यपारिक संबंध, तकनीकों का आदान-प्रदान और ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति के आगे भी भविष्य के बड़े रणनीतकि साझेदार के रूप में दिखाई देती है. यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीदरलैंड्स के पीएम रॉब जेटन ने रक्षा, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, हाइड्रोजन, क्रिटिकल मिनरल्स और व्यापार समेत 17 बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं.

ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से भारत और नीदरलैंड के संबंध रहे हैं. दोनों देशों का संपर्क 17वीं शताब्दी से है जब डच कंपनी ने भारत के तटीय इलाकों से व्यापार प्रारंभ किया था. भारत के स्वतंत्र होते ही 1947 में स्थापित हुए राजनयिक संबंध अब तक आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी के रूप में बदल चुके हैं. वर्तमान में यह संबंध वैश्विक भू-राजनीति, आर्थिक संतुलन, प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखलाओं, ग्रीन एनर्जी और इंडो-पैसिफिक रणनीति जैसे व्यापक आयामों तक विस्तृत हो चुके हैं. बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए. यह यात्रा भारत-यूरोप संबंधों को नई दिशा देने के साथ-साथ भारत की दीर्घकालिक आर्थिक एवं रणनीतिक प्राथमिकताओं की दिशा में भी महत्वपूर्ण है. इस वर्ष भारत ने यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौता किया है.

यूरोपयिन यूनियन का सदस्य नीदरलैंड भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है. नीदरलैंड चौथा सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक और प्रमुख व्यापारिक सहयोगी है. भारत सरकार और यूरोपीय व्यापारिक आँकड़ों के अनुसार दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में लगभग 25 से 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँच चुका है. भारत से निर्यात होने वाले पेट्रोलियम, केमकिल्स, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, वस्त्र तथा आईटी सेवाएँ नीदरलैंड के माध्यम से यूरोपीय बाजारों तक पहुँचती हैं.

नीदरलैंड का रॉटरडैम बंदरगाह को यूरोप का गेटवे ऑफ यूरोप कहा जाता है. भारत से यूरोप जाने वाले कंटेनर और ऊर्जा उत्पादों का बड़ा हिस्सा इसी बंदरगाह से होकर गुजरता है. भारत के लिए नीदरलैंड केवल एक व्यापारिक भागीदार नहीं, बल्कि यूरोपीय आपूर्ति श्रृंखला का प्रवेश-द्वार भी है. प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के संदर्भ में सबसे अधिक चर्चा सेमीकंडक्टर और उच्च प्रौद्योगिकी सहयोग को लेकर है. विश्व में सेमीकंडक्टर उद्योग आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया केंद्र बन चुका है. कोविड-19 महामारी और अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बाद विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ सप्लाई चेन के की किसी एक देश पर निर्भरता घटाने पर जोर दे रही हैं. भारत भी सेमीकॉन इंडिया मिशन के माध्यम से घरेलू चिप निर्माण क्षमता विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है. भारत की टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और नीदरलैंड की एएसएमएल के बीच गुजरात के धोलेरा में सेमी कंडक्टर निर्माण संयत्र लगाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए हैं.

विश्व प्रसिद्ध डच कंपनी एएसएमएल अत्याधुनिक ईयूवी लिथोग्राफी मशीनें बनाती है जो आधुनिक चिप निर्माण की बुनियादी तकनीक मानी जाती हैं. विश्व के सेमीकंडक्टर उद्योग में एएसएमल का लगभग एकाधिकार है. भारत की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा में यह उपलब्धि काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है. यदि भारत इस क्षेत्र में तकनीकी सहयोग, निवेश और कौशल विकास कर पाता है तो यह देश की इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षमता में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकता है. ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भी दोनों देशों की साझेदारी तेजी से आगे बढ़ रही है. नीदरलैंड यूरोप में ग्रीन एनर्जी, पवन ऊर्जा और हाइड्रोजन ऊर्जा वाली अर्थव्यवस्था का अग्रणी देश है.

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं विदेश मामलों के अध्येता हैं.)

ग्वालियर चंबल डायरी

पवैया अफसरों को अहसास करा रहे 'वित्त आयोग' की ताकत का

हरीश दुबे

शिवराज कैबिनेट में मंत्री और सांसद रह चुके जयभान सिंह पवैया मंदिर आंदोलन में केंद्रीय भूमिका निभाने के चलते राष्ट्रीय स्तर पर तेजतर्रार हिंदुत्ववादी नेता की छवि रखते हैं. उनका कार्यक्षेत्र देशभर में विस्तृत है लेकिन ग्वालियर उनकी प्राथमिकता में है. यही वजह है कि अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने वित्त आयोग की पहली बैठक ग्वालियर में ही रखी. वे वित्त आयोग के पूरे लश्करे लवाजम के साथ आए हैं.

खास बात यह कि उन्होंने एक ही दिन में दो बड़ी बैठकें रख लीं, पहली मुरार सर्किट हाउस में तो दूसरी कमिश्नरी में. उन्होंने इन बैठकों में ग्वालियर से ताल्लुक रखने वाले सारे मंत्रियों, सांसद, विधायकों, निकाय अध्यक्षों और आला अफसरों को तलब कर लिया. हालांकि बरसों पहले वित्त आयोग के अध्यक्ष पद को ग्वालियर के ही दिग्गज नेता स्व. शीतला सहाय भी सुशोभित कर चुके हैं लेकिन पवैया के अध्यक्षकाल में पहली बार अफसरों को अहसास हो रहा है कि वित्त आयोग क्या ताकत रखता है और किस हद तक इसकी वजनदारी है.

प्रवीण के बगावती तेवरों से व्हाइट हाउस में बेचैनी

यदि कोई गंभीर अड़चन नहीं आई तो यह तय है कि इलाके के कारोबारियों के सबसे बड़े और करीब सौ साल से ज्यादा पुराने संगठन मप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव 18 जुलाई तक निबटा लिए जाएंगे. चुनावी सरगर्मी शुरू हो चुकी है. सबसे ज्यादा रस्साकसी अध्यक्ष पद पर है. मौजूदा वक्त अध्यक्ष पद पर व्हाइट हाउस के प्रवीण अग्रवाल आसीन हैं. खबर है कि व्हाइट हाउस का मार्गदर्शक मंडल इस बार प्रवीण की जगह प्रशांत गंगवाल के नाम पर दांव खेलने की तैयारी में है लेकिन मौजूदा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल भी कुर्सी न छोड़ने के लिए कमर कसकर बैठे हैं. बाजार में चर्चा है कि व्हाइट हाउस ने अगली पारी के लिए अविश्वास जताया तो वे निर्दलीय उतरकर ताल ठोकेंगे. वैसे व्हाइट हाउस की तरफ से भूपेंद्र जैन और पारस जैन के नाम भी प्रमुखता से उभरे हैं.

भूपेंद्र जैन एक मर्तबा अध्यक्ष का चुनाव लड़ चुके हैं, पिछली बार भी प्रवीण अग्रवाल के चुनाव अभियान की कमान भूपेंद्र ने ही संभाली थी. चेंबर के दूसरे शक्ति केंद्र क्रिएटिव हाउस में फिलवक्त कोई सक्रियता नहीं देखी जा रही है. इस हाउस को चलाने वाले बड़े चेहरे विष्णु गर्ग के निधन के बाद से क्रिएटिव की एक्टिविटीज में पुराने दौर जैसी गर्मजोशी नहीं दिख रही है.

मैं नहीं तो बेटे को ही टिकट दिला दो, मिलवा लाए राहुल से

महीना भर से भी ज्यादा वक्त से दतिया विधानसभा सीट खाली है. निवर्तमान विधायक राजेन्द्र भारती की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में तारीख पर तारीख लग रही है वहीं इस विधानसभा क्षेत्र के रिक्त घोषित होने के बाद चुनाव आयोग ने अपने स्तर पर उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है.

भाजपा और कांग्रेस भी मुस्तैद हैं. भाजपा की तरफ से पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा निर्विवाद उम्मीदवार माने जा रहे हैं तो कांग्रेस में कई दावेदार उभर आए हैं. राजेन्द्र भारती अपने परिवार की इस पारंपरिक सीट पर बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते हैं. वे दिल्ली जाकर बेटे को राहुल गांधी से भी मिलवा आए हैं.

चंबल की इस नई राजनीतिक जुगलबंदी के निशाने पर कौन?

दस बरस तक सूबे के वजीरेआला रह चुके राजा अगले महीने राज्यसभा से भी रिटायर हो रहे हैं, उन्होंने अगली पारी खेलने से भी मना किया है लेकिन इस हफ्ते ग्वालियर प्रवास में जिस कदर उन्होंने सक्रियता दिखाई, अपने अजीजों के घर तशरीफ लाए, कांग्रेस दफ्तर पर भी आमद दी, कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए, उसे देखकर कहा जा सकता है कि वे राज्यसभा या लोकसभा में रहें अथवा नहीं, उनकी सक्रियता बिना रुके बरकरार रहेगी. खास बात यह है कि वे नाट्यमंचन के एक कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह के साथ भी दिखाई दिए. ऊषा ठाकुर की ही तरह उन्होंने नरेंद्र सिंह को भी सनातनी करार दिया. दो विपरीत राजनीतिक ध्रुवों के नुमाइंदों दिग्विजय और नरेन्द्र सिंह की यह गलबहियां कुछ सियासी इशारा करती हैं, दरअसल राधौगढ़ के राजा और दिमनी के छत्रप की सियासत में जो एक खास गुण सबसे ज्यादा मिलता है, वह है महाराजा की खिलाफत. कांग्रेस में रहते महाराजा और राजा की कभी नहीं पटी तो महाराजा के भाजपा में आने के बाद पार्टी के पुराने छत्रप नरेन्द्र सिंह का उनसे मेल नहीं बैठ पाया है. तो क्या यह नई जोड़ी महाराजा के खिलाफ नई लामबंदी की तैयारी में है.

दक्षिण भारत में सतीशन के भरोसे है कांग्रेस

स्वघोषित तौर पर नेहरूवादी समाजवाद के समर्थक कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने 20 अन्य मंत्रियों के साथ 18 मई को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. केरलम की बागडोर संभालते ही सतीशन हरकत में आ गए और उनकी कैबिनेट की पहली बैठक में अनेक कल्याणकारी फैसलों को मंजूरी दी गई, जिनमें विशेषरूप से शामिल हैं केएसआरटीएस बसों में महिलाओं के लिए 15 जून 2026 से मुफ्त यात्रा, आशा बहनों के भत्ते में 3,000 रुपए मासिक की वृद्धि और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अलग विभाग की स्थापना. कांग्रेस के लिए यह अच्छा रहा कि उसके वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला न केवल समारोह में मौजूद रहे, बल्कि उन्होंने मंत्री पद की शपथ भी ली. वह भी केसी वेणुगोपाल के साथ मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदारों में से थे. उनका मंत्री बनना जाहिर करता है कि कांग्रेस ने फिलहाल अपनी अंदरूनी गुटबाजी पर विराम लगा दिया है, चेन्निथला की शर्तों को मानकर कि उन्हें अपनी पसंद का गृह मंत्रालय दे दिया गया. केरलम में वामपंथियों के 10 वर्ष के शासन को समाप्त करने और कांग्रेस की शानदार जीत की पटकथा सतीशन ने ही लिखी है, इसलिए मुख्यमंत्री उन्हें ही बनना चाहिए था. वामपंथियों के खिलाफ चुनावी संघर्ष में सतीशन ने वैचारिक फ्रेमवर्क भी तैयार किया. केरलम आज भी सांप्रदायिक राजनीति से अपने आपको दूर रखे हुए है. इसलिए यह आश्चर्य नहीं है कि मुस्लिम बहुल थावानुर से एक ईसाई वीएस जॉय विधायक चुने गए, हिन्दू बहुल कलामास्सेरी से एक मुस्लिम वीई अब्दुल गफूर विधायक बने और ईसाई बहुल कोच्ची ने भी एक गैर-ईसाई को अपना विधायक बनाया. यह है असल 'केरलम स्टोरी' जो सौहार्द व समाजवाद को प्राथमिकता देती है. सतीशन ने दावा किया कि वाम पार्टियों ने अपने समाजवाद को कमजोर कर दिया है और कांग्रेस ही सही अर्थों में समाजवादी है. सतीशन ने बल देते हुए कहा, 'हम ही नेहरूवादी समाजवाद के झंडाबरदार हैं.' यह वक्तव्य उस समय आया जब माकपा संगठनात्मक खींचतानों के दौर से गुजर रही थी. सतीशन ने माकपा के दो विद्रोही नेताओं को कन्नूर व अलाप्पुज्झा से अपनी-अपनी सीटें जीतने में मदद की. सतीशन की इस चाल की वजह से अनेक कांग्रेसी प्रत्याशी उन चुनाव क्षेत्रों से सफल हुए, जो वामपंथ के गढ़ समझे जाते थे. सतीशन ने संगठन की उस खाली जगह को बखूबी भरा है, जो कांग्रेस के पॉपुलर नेताओं जैसे के. करुणाकरण व ओमन चांडी के निधन से रिक्त हुई थी.

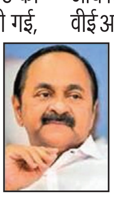

-नरेंद्र शर्मा

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

अगले चुनाव की अभी से तैयारी सचमुच बीजेपी की महिमा न्यारी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि बीजेपी ने केरलम के अगले चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू कर दी है. लोगों को हैरत है कि बीजेपी बेवक्त की शहनाई क्यों बजा रही है? हाल ही में केरलम विधानसभा के चुनाव हुए जिसमें जीत हासिल करने के बाद यूडीएफ ने मुख्यमंत्री सतीशन के नेतृत्व में नई सरकार बना ली है. अगला चुनाव 5 वर्ष बाद 2031 में होगा. इसे लेकर अभी से तैयारी क्यों?'

हमने कहा, 'क्या आपको नहीं मालूम कि बीजेपी की चुनावी मशीनरी निरंतर चालू रहती है. उसे चुनाव में विजय का टारगेट देकर इलेक्शन मोड में रखा जाता है. बीजेपी कभी भी, किसी भी चुनाव के लिए एक टांग पर तैयार रहती है. लालू का चारा घोटाला लोग जानते हैं, जबकि बीजेपी 'चरैवेति-चरैवेति' का मंत्र जपती है. इसका मतलब है- निरंतर चलते रहो. एक चुनाव खत्म तो दूसरे की तैयारी शुरू!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, बीजेपी ने जितने राज्य जीत लिए, उसी में संतोष समाधान करते हुए सुशासन दे. आगे और जीतने की इतनी छटपटाहट क्यों? क्या बीजेपी के दिमाग में विश्व विजय का सपना देखने वाले सिकंदर ने प्रवेश कर लिया है?'

हमने कहा, 'पहले बीजेपी ने कांग्रेस मुक्त भारत की बात कही थी, अब वह विपक्ष मुक्त भारत देखना चाहती है. मोदी और शाह के चतुर नेतृत्व में बीजेपी की चतुरंगिणी सेना हर राज्य में दिग्विजय करने पहुंच जाती है. जहां चुनाव में देर है वहां ऑपरेशन लोटस के जरिए क्षेत्रीय पार्टियों में फूट डालती है. पद और धन के लालच में नेता अपनी मूल पार्टी के प्रति गद्दार बन जाते हैं. उन परकेंद्रीय जांच एजेंसियों का दबाव खत्म हो जाता है. सभी नमो नमो करने लग जाते हैं. जो नेता कुछ वर्ष पूर्व विपक्षी पार्टियों में थे, वह अब बीजेपी की बैंड पार्टी में शामिल हो गए हैं. आपने कहावत सुनी होगी- घर का भेदी लंका ढाए!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, प्रेम, युद्ध और राजनीति में सबकुछ जायज है. बीजेपी का चुनावी अश्वमेध यज्ञ हमेशा चलता रहता है. लोग कहते थे कि बीजेपी बंगाल में नहीं जीत सकती, लेकिन एसआईआर का असर ऐसा हुआ कि बंगाल भी फतह कर लिया.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12264

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
8		■	9			■	
	■	10	■		■	11	■
■	12			■	13		
14			■	15			■
16		■	17		■	18	19
	■	20				■	

बाएं से दाएं
1. आक्रमण करने वाला 4. किताब, ग्रंथ, पोथी 6. खैरियत, गतिविधियां 8. तराजू, एक राशि 9. खरगोश 12. पहुंचे का वह बहाना 17. खोया हुआ, अप्रसिद्ध 18. छोटा नाला 20. किसी वस्तु का दबकर भाग जहां हथेली का जोड़ रहता है 13. बोलना, कथन, उक्ति 14. निकट, पास, करीब 15. जहर 16. दुखी होकर आंसू बहाना, 17. खोया हुआ, अप्रसिद्ध, 18. छोटा नाला 20. किसी वस्तु का दबकर टूटना

ऊपर से नीचे
1. आने वाला, अचानक आने वाला 2. बहुत बड़ा 3. घड़ा, मंदिर आदि का शिखर 4. हर्ष, प्रेम आदि के कारण शरीर के रोंगटे खड़े होना 5. शपथ, सौगंध 7. खांड का पका हुआ शर्बत 10. मेल, संयोग, भेंट 11. दुख या चिंता की बात भूलकर चित्त दूसरी ओर लगाना 12. नीच, क्षुद्र 13. हाथ, महसूल 14. कमल 15. सुगंध, गंध, जाने वाला 17. मूल-युक्ति 19. जूं का अंडा.

Solution 12263

पं	क	■	क	म	ल	ना	भ
चां	टा	■	ब	ह	ल	ना	■
ग	री	ब	■	रा	का	■	म
■	■	द	र्द	■	र	सि	क
ह	म	ला	■	ब	ना	र	स
क	हा	व	त	■	■	क	द
दा	त	■	र	ह	च	टा	■
र	ता	लू	■	स	री	■	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में उतावलीपन में लिये गये निर्णय से हानि होगी, शत्रुपक्ष के षडयंत्रों के कारण मन व्यथित रहेगा, पूर्व नियोजित कार्यो में व्यस्तता रहेगी, वर्ष के मध्य में मित्रों व भाईयों के सहयोग से आर्थिक लाभ होगा, संतान पक्ष से नवीन योजनाओं का विचार विमर्श होगा, वर्ष के अन्त में सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी,जमीन जायजाद से लाभ मिलेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का शत्रु षडयंत्रों के कारण मन व्यथित रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की पूर्व निर्धारित कार्यो में व्यस्तता रहेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को संतान पक्ष से नवीन समाचार प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों के व्यवसाय में सुधार होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सांसारिक सुखों की वृद्धि होगी,मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का खर्च अधिक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नई योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक संकोची, एकांतप्रिय होगा, शिक्षा अच्छी और उत्तम रहेगी, नौकरी में सफ्लता मिलेगी, जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा, आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध रहेंगे.

उदयकालीन ग्रह चाल

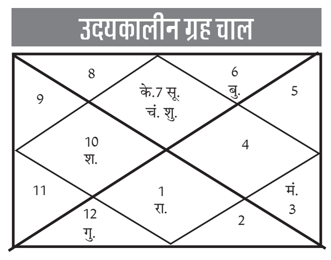

पंचांग

रा.मि. 31 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पंचमीं गुरूवासरे दिन 1/45, पुनर्वसु नक्षत्रे दिन 9/26, गण्ड योगे दिन 4/14, बालव करणे सू.उ. 5/20, सू.अ. 6/40, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पंचमीं को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से गेहूॅ, जौ, चना, तिल, तेल, मोठ, के भाव में मंदी होगी, सरसों, अरंड़ी, गुड़ शक्कर के भाव में घट-बढ़ रहेगी, आज 11 बजकर 10 मिनिट से 15 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभकारी रहेगा, भाग्यांक 7033 है.

मेष- दौड़धूप के अच्छे परिणाम मिलेंगे, धर्म कर्म में आस्था बढेगी, यात्रा सुखद और अच्छी रहेगी, विवादों का समाधान होगा, पारिवारिक कार्यो में रूचि रहेगी.

वृषभ- झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ सकते हैं, वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, मित्र वर्ग आपके संबंधों से संतुष्ट रहेंगे.

मिथुन- पुराने झगड़े सुलझने के आसार हैं, प्रियजन से मुलाकात सुखमय रहेगी, निर्माण कार्यो में रूचि, संतान संबंधी सुखद समाचार प्राप्त होगा.

कर्क- लेनदेन के मामले सुलझने का योग है, लंबी दूरी की यात्रा होगी, नवीन योजनाओं का विचार संभव है, व्ययभार अधिक रहेगा.

सिंह- पुरानी बातों भूलकर काम पर ध्यान दें, जिद छोड़कर कार्य करें, नवीन वस्त्राभूषण उपहार आदि की प्राप्ति होगी, अतिथि आगमन होगा.

कन्या- सहकर्मी भ्रमित करने का प्रयास करेंगे, सहयोगी की कमी का अनुभव होगा, शारीरिक सुख मिलेगा, शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है, यश मिलेगा.

तुला- भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, कारोबारी यात्रा का योग है, आय में वृद्धि होगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

वृश्चिक- व्यापारिक कार्यो में सम्हलकर फैसला लें, लाभ मिलेगा, स्थाई एवं अन्य साधनों में सफ्लता मिलेगी, विशिष्टजनों से संपर्क बढ़ेगा, शारीरिक पीड़ा हो सकती है.

धनु- पुरानी बातों को भूलकर काम पर ध्यान दें, सफ्लता मिलेगी, आजीविका के प्रयासों में सफ्लता, राजकीय सहयोग, कार्य की अधिकता रहेगी.

मकर- रोजगार में इच्छित अवसरों की तलाश रहेगी, पारिवरिक आयोजन में शामिल होंगे, स्वास्थ्य लाभ होगा, धार्मिक कार्यो से मानसिक संतुष्टि रहेगी.

कुम्भ- राजकीय मामले सुलझेंगे, पूरे मनोयोग से काम करेंगे, खानपान की अनियमितता रहेगी, श्रम से अधिक कार्य करना होगा, सोचे कार्यो में विलंब होगा.

मीन- विपरीत माहौल में समझौता करना हितकर रहेगा, कर्ज से छुटकारा होगा, व्यवहार कुशलता एवं कर्मठता से कार्य पूर्ण होगा, निर्णय पक्षधर ही रहेगा.

SUDOKU 7396

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7395

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7